भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 6001

जिसका उत्तर 01 अप्रैल, 2026 को दिया जाना है

कोयला क्षेत्र के सरकारी उपक्रमों द्वारा नवीकरणीय ऊर्जा पहल

6001. श्री मनोज तिवारीः

श्री बलभद्र माझीः

श्रीमती अपराजिता सारंगीः

श्री विष्णु दयाल रामः

श्री दिलेश्वर कामैतः

श्री कोटा श्रीनिवास पूजारीः

श्री खगेन मुर्मुः

श्रीमती कमलजीत सहरावतः

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और सरकारी क्षेत्र के अन्य कोयला उपक्रम (पीएसयू) ओडिशा के नबरंगपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित देश के विभिन्न भागों में अपनी विविधीकरण पहलों के रूप में अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं शुरू कर रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो इन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा अब तक संस्थापित अथवा विकसित की जा रही कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का ब्यौरा क्या है और नबरंगपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में प्रस्तावित अथवा चल रही परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) वर्ष 2030 तक सरकारी क्षेत्र के कोयला उपक्रमों द्वारा प्राप्त की जाने वाली नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के लिए सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या नबरंगपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में परियोजनाओं को शामिल करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) ये पहलें ओडिशा के नबरंगपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में विशेष रूप से हरित ऊर्जा और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने में सतत खनन और ऊर्जा परिवर्तन के उद्देश्यों में किस प्रकार सहायक हैं?

उत्तर
कोयला एवं खान राज्य मंत्री
(श्री सतीश चन्द्र दुबे)

(क) और (ख) : कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल), एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) और सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) सहित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) ऊर्जा परिवर्तन और संधारणीयता पर सरकार की नीति के अनुरूप अपनी विविधीकरण पहलों के हिस्से के रूप में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं शुरू कर रहे हैं। तथापि, ओडिशा के नबरंगपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में ऐसी कोई परियोजना शुरू नहीं की गई है।

सीआईएल ने लगभग 247 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा संस्थापित की है, और लगभग 635 मेगावाट विकास के अधीन है। एनएलसीआईएल ने 1,783 मेगावाट की संस्थापना कर ली है और 1,762 मेगावाट निर्माणाधीन है। एससीसीएल ने 245.50 मेगावाट की संस्थापना कर ली है, और लगभग 259 मेगावाट विकास के अधीन है।

(ग) : वर्ष 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य सीआईएल (9.5 गीगावॉट), एनएलसीआईएल (10 गीगावॉट) और एससीसीएल (2.8 गीगावॉट) है।

(घ) और (ङ) : कोयला पीएसयू द्वारा की गई नवीकरणीय ऊर्जा पहलें स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने, ऊर्जा मिश्रण में विविधता लाने, ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने और नेट-जीरो प्रतिबद्धताओं सहित राष्ट्रीय जलवायु लक्ष्यों को सहायता देने के माध्यम से कार्बन फुटप्रिंट को कम करके संधारणीय खनन और ऊर्जा परिवर्तन में योगदान करती है। हालांकि, उपर्युक्त पीएसयू द्वारा ओडिशा के नबरंगपुर लोकसभा क्षेत्र के भीतर नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है, नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को संस्थापित करने से ओडिशा के नबरंगपुर लोकसभा क्षेत्र सहित सभी क्षेत्रों को लाभ मिलेगा।

*****